

9



विल

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालिअर

प्रकरण क्रमांक 12086 निगरानी 497 II 16



- १- गनपत आ० विहारी कुशवाह उम्र ५० वर्ष
  - २- मन्नू आ० विहारी कुशवाह
  - ३- मंगल आ० गनपत कुशवाह
  - ४- हेमराज आ० गनपत
  - ५- हनुमंत आ० गनपत
  - ६- रमेश आ० मन्नूलाल कुशवाह
  - ७- मानसिंह आ० मन्नूलाल कुशवाह
- समस्त निवासीगण ग्राम श्योपुरा, फगवारी हलका चिन्नौद, थाना व तेहसील करैरा, जिला शिवपुरी - म०प्र० ।

----- प्राथीगण

बिराध

- १- वीर सिंह परिवार आ० लटकू
  - २- विन्दा परिवार आ० लटकू
  - ३- दिनेश परिवार आ० सिरनाम,
  - ४- हेमराज परिवार आ० सिरनाम
  - ५- गौवर्धन परिवार आ० सिरनाम,
  - ६- मानसिंह परिवार आ० सिरनाम,
  - ७- लखन सिंह परिवार आ० रामा,
  - ८- शिवरंजन परिवार आ० रामा,
  - ९- सुधर सिंह परिवार आ० मथरै प्रसाद,
  - १०- बलवीर परिवार आ० मथरै प्रसाद,
  - ११- नंदकिशोर परिवार आ० मथरै प्रसाद,
  - १२- राजेश परिवार आ० मथरै प्रसाद,
- समस्त निवासी ग्राम श्योपुरा, फगवारी हलका - चिन्नौद थाना व तेहसील करैरा, जिला शिवपुरी (म०प्र०)
- प्रतिप्राथीगण

श्री जल. के. अवरगी, कांठि  
द्वारा आज दि 13-12-16 को  
प्रस्तुत

13-12-16  
दलक ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालिअर

233/16  
9/3/1916

749  
13/12/16

3

निगरानी बिराह्य आदेश तेहसीलदार महोदय करैरा, जिला-शिवपुरी,  
दिनांक २३-११-१६, अन्तर्गत धारा ५० मध्यप्रदेश मू-राजस्व संहिता,  
१६५६ । प्र०क्र० ६०(अ-७०)।१५-१६ ।

श्रीमान जी,

निगरानी का आवेदन पत्र निम्न आधारों पर

प्रस्तुत है :-

१- यह कि, तेहसीलदार महोदय की आज्ञा कानूनन सही नहीं है ।

२- यह कि, तेहसीलदार महोदय ने प्रकरण के स्वरूप एवं कानूनी  
स्थिति को सही नहीं समझा है ।

३- यह कि, प्रकरण में धारा २५० मू-राजस्व संहिता के आवश्यक  
तत्व व उपलब्ध नहीं है और न प्रमाणित ही किये गये हैं, इसी  
स्थिति में पारित विवादित आज्ञा निरस्ती योग्य है ।

४- यह कि, प्रार्थनिका की ओर से प्रस्तुत उत्तर में जिन आपत्तियों  
का उल्लेख किया गया है, उन आपत्तियों पर कोई विचार ही  
नहीं किया गया है ।

५- यह कि, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी महोदय के प्रतिवेदन को  
सहीमानना तथ्यों एवं वास्तविकता से विपरीत होने से पारित  
विवादित आदेश निरस्ती योग्य है ।

६- यह कि, प्रकरण में न तो अधि कब्जा का दिनांक ही प्रमा-  
णित किया गया है और न विधिवत जांच ही की गई है,  
इसी स्थिति में पारित आदेश निरस्ती योग्य है ।

७- यह कि, विवादित आदेश, आदेश की परिभाषा में नहीं  
आता है वह स्वयं बोलता हुआ आदेश न होने से निरस्ती  
योग्य है ।

८- यह कि, पारित विवादित आज्ञा मात्र अनुमानों पर आधारित  
होने से निरस्ती योग्य है ।

९- यह कि, अधि कब्जा माने जाने का कोई आधार विवादित

क्रमशः--३



श्री  
स्तुत  
स्वामी  
कब्जा

गण  
कर  
स्थित  
पट  
। जो

उन्होंने  
टवारी  
रूप में

3

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक-निगरानी-4197-दो/2016

जिला-शिवपुरी

गनपत आदि विरुद्ध वीरसिंह आदि

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों के अभिमानों के हस्ताक्षर
17-06-2019	<p>प्रकरण प्रस्तुत। आवेदक द्वारा यह निगरानी तहसीलदार करैरा, जिला-शिवपुरी के प्रकरण क्रमांक 60/अ-70/2015-16 में पारित आदेश दिनांक 23-11-2016 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 में दिनांक 25-9-2018 को हुए नवीन संशोधन के फलस्वरूप संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत सुनवाई हेतु प्रकरण कलेक्टर शिवपुरी, जिला-शिवपुरी के न्यायालय को अंतरित किया जाता है।</p> <p>2/ पक्षकार दिनांक 08-08-2019 को कलेक्टर के न्यायालय में सुनवाई हेतु उपस्थित हों।</p>	

(आर0क0 जैने) 6/19  
सदस्य